दूरदर्शन में अपर्याप्त सुविधाएं

6526. **श्रीमती वीणा वर्मा:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दूरदर्शन के पास वीडियो एडिटिंग और स्पेशल इफैक्ट्स की पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं; यदि हां, तो गत दो वर्षों के दौरान दूरदर्शन के पास इन सुविधाओं की उपलब्धता का ब्यौरा क्या है;

(ख) दूरदर्शन द्वारा अपनी जरुरत के अनुसार कितने प्रतिशत तक बाहरी स्टूडियों की सुविधाओं का उपयोग किया जाता है और उसके लिए कितने किराए का भुगतान किया जाता है और इस संबंध में दूरदर्शन के पास अपनी क्या व्यवस्था है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि दूरदर्शन ने बाहरी सम्पादकों की सेवाएं ठेके के आधार पर लेने की भी अनुमति प्रदान की है; और यदि हां, तो उनके स्वयं के सम्पादकों और बाहरी सम्पादकों द्वारा कितने प्रतिशत कार्य किया गया तथा इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव): (क) जी, नहीं। निर्माण सुविधाएं रखने वाले सभी दूरदर्शन केन्द्रों में इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के अलावा निम्नलिखित केन्द्रों/कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं को भी पिछले दो वर्षों के दौरान इनसे सुसज्जित किया गया है:- अगरतला, भोपाल, भुवनेश्वर, जम्मू, कोहिमा, तुरा, शिलांग, इम्फाल, सिलचर तथा गुवाहाटी।

(ख) दूरदर्शन की अप्रत्याशित तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर बाहरी स्टूडियो में पक्ष-निर्माण कार्य चलाता है। प्रत्येक सेवा/केन्द्र के मामले में किराया भिन्न-भिन्न होता है।

(ग) दूरदर्शन द्वारा कार्य की तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कार्य-सुपुर्दगी आधार पर नैमितिक संपादकों की सेवाएं प्राप्त की जाती हैं। वर्तमान में, क्रमशः नियमित तथा नैमितिक संपादकों द्वारा हाथ में लिए गए कार्यों का अलग-अलग ब्यौरा उपलब्ध नहीं है। तथापि, अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और इसे राज्य सभा के पटल पर रख दिया जाएगा।

"मास्टर केबल नेटवर्क" की स्थापना करना

6527. **श्रीमती वीणा वर्मा:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 20 अप्रैल, 1994 के "दि हिन्दुस्तान टाइम्स" में प्रकाशित समाचार के अनुसार, केबल आपरेटर पूरे देश में मास्टर केबल नेटवर्क तथा मास्टर कन्ट्रोल रूम स्थापित करके विश्व के उपग्रह चैनलों को नियन्त्रित करने की योजना बना रहे हैं; यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इस प्रणाली पर अनुमानतः कितनी लागत आयेगी;

(ख) क्या सरकार विदेशी चैनलों द्वारा भारत पर बढ़ते सांस्कृतिक हमले और भारत विरोधी दुष्प्रचार को रोकने की दृष्टि से इस योजना को अपने हाथ में लेने का विचार रखती है, और

(ग) यदि नहीं, तो सरकार भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के षड़यंत्र को निष्फल करने हेतु किस कार्य योजना को लागू करने का विचार रखती है?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव): (क) सरकार को इसकी जानकारी है कि समाचार मद में उल्लिखित प्रणाली का अन्य देशों में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस देश में ऐसी प्रणाली स्थापित करने की लागत का सरकार द्वारा कोई मूल्यांकन नहीं किया गया है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) सरकार यह ध्यान रखने का प्रयास करती है कि दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों में सतत गुणात्मक सुधार हो जिसके कि दर्शकों की रुचि बनी रहे और हमारे राष्ट्रीय हित तथा संस्कृति के प्रतिकूल कार्यक्रमों के प्रभावों को रोका जा सके।

News gathering correspondents in Orissa

6528. SHRIMATI ILA PANDA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have recruited part-time news gathering correspondents in all the 30 districts of Orissa; and

(b) if not, by when Government plan to do so?

THE MINISTER OF STATE OF THE